चल न रे कंकाली धाम

कंकाली कंकाली कहती है दुनियां कंकाली काली का धाम,
सूंदर छटा में प्रगति है मैया कंकाली माँ का है नाम,
चल न रे कंकाली धाम,

भोपाल रसेन के बीच में माई,
अपन भगतो को तारने आई,
तीन देव को संग में लाइ,
पावन गोदावल धाम,
अरे चल न रे कंकाली धाम,

बीस गुजा नर मुंडो की माला,
माँ ने रूप धरा विकराला,
माँ के अखंड ज्योत को तू भी करना प्रणाम,
चल न रे कंकाली धाम,

सब की सुनी है गॉड है भर्ती माँ ममता की किरपा है करती,
नवराति में खीर पूड़ी के भंडारे सुबहो शाम,
चल न रे कंकाली धाम,

चुनरी चडाना बंधन लगना,
गोबर से उलटे हाथ रंगना,
अरे कर देगी माँ जब से इधर धन,
बने गे तेरे काम,
चल न रे कंकाली धाम,

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/12724/title/chal-na-re-kankaali-dhaam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |